आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 29.04.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए सरकार ने राज्य के विभिन्न जिलों में 45 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की।
- राज्य सरकार, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं युवक मंगल दलों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आर्थिक सहयोग देगी।
- उत्तराखंड में कल से शुरू हो रही है चार धाम यात्रा, आकाशवाणी यात्रा का सजीव प्रसारण करेगा।
- नैनीताल जिले के लालकुआँ और छत्तीसगढ़ के दुर्ग के बीच एक मई से विशेष साप्ताहिक रेलगाड़ी का संचालन किया जाएगा।

नियुक्ति

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 45 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति कर दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, विशेषज्ञ चिकित्सकों को जिला चिकित्सालयों, उप जिला चिकित्सालयों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात किया गया है।

नियुक्त चिकित्सकों में सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, एनेस्थीसिया, बाल रोग, नेत्र रोग, कान–नाक–गला, फॉरेंसिक मेडिसिन और जनरल मेडिसिन के डॉक्टर शामिल हैं। इनकी तैनाती विशेष रूप से पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चमोली, टिहरी गढ़वाल, अल्मोड़ा, चंपावत, बागेश्वर और हरिद्वार जिलों में की गई है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि सभी डॉक्टरों ने पीजी कोर्स पूरा कर लिया है और अब उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में तैनात किया गया है। चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए आपातकालीन और सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती से पर्वतीय जिलों के अस्पतालों को बड़ी राहत मिलेगी। पहले विशेषज्ञों के अभाव में मरीजों को बड़े शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता था, लेकिन अब सर्जरी, एनेस्थीसिया, स्त्री रोग, बाल रोग और नेत्र रोग जैसे विभागों में सेवाएं आसानी से मिलेंगी। इससे आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

वहीं, चारधाम यात्रा के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए हाई–एल्टीट्यूड मेडिसिन, कार्डियक इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी चिकित्सकों को जल्द से जल्द अपने तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं और समय पर कार्यभार न संभालने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी है।

स्वरोजगार प्रस्ताव

राज्य सरकार, प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय युवक मंगल दल और महिला मंगल दलों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रही है। राष्ट्रीय खेल सचिवालय में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई और अधिकारियों को इसकी रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए।

श्रीमती आर्या ने बताया कि प्रस्ताव तैयार होते ही सभी मंगल दलों से उनके स्वरोजगार के प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सके।

बैठक में चार धाम यात्रा के दौरान अधिक ऊंचाई पर तैनात पीआरडी जवानों की सुविधाओं को लेकर भी अहम निर्णय लिए गए। विभाग अब इन जवानों को विशेष जूते, जैकेट, रेनकोट और वाटरप्रूफ टेंट जैसी आवश्यक सामग्री मुहैया कराने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए भी अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

चमोली पुलिस इंतजाम

बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा तैयारियों को लेकर चमोली जिला प्रशासन के साथ ही पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। जिले में यात्रा मार्ग पर जहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, वहीं पुलिस की ओर से इस वर्ष यात्रा मार्ग के 158 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है। पुलिस की ओर से जिले में प्रवेश करने वाले स्थानों पर निरीक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि बदरीनाथ यात्रा मार्ग को 19 सेक्टरों में बांटकर सेक्टर प्रभारियों की नियुक्ति की गई है, जो बाइक के माध्यम से यात्रा मार्ग की निगरानी करेंगे। इसके साथ ही किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए गौचर, लंगासू, पीपलकोटी और गोविंदघाट में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। चमोली में सुचारू यातायात संचालन के लिए पुलिस की ओर से तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए जहां पुलिस अधिकारी और जवानों के साथ एसडीआरएफ,एनडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। वहीं जल पुलिस की टीमें भी यात्रा मार्ग पर तैनाती की गई है। इसके साथ ही यात्रा पूरे जिले में 121 आउटडोर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। वहीं, बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर वर्तमान तक 93 सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं और 65 अन्य कैमरे लगाने का कार्य किया जा रहा है।

वहीं, जिले में चिन्हित 9 भूस्खलन क्षेत्रों पर सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस के जवानों की तैनाती के साथ ही 18 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिनसे भूस्खलन जोन पर यात्रा के दौरान लगातार निगरानी की जाएगी। वहीं यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए बदरीनाथ और गौचर में ड्रोन कैमरा टीम की तैनाती की गई है। इनके जदिए ट्रैफिक की निगरानी की जाएगी।

चारधाम आकाशवाणी प्रसारण

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कल गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड में चार धाम का शुभारंभ हो रहा है।

राज्य सरकार ने यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली। आकाशवाणी द्वारा इस महत्वपूर्ण यात्रा से संबंधित सजीव और अन्य प्रसारण की व्यवस्था की गयी है। आज रात 8 बजे चार धाम यात्रा पर एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम ''देवभूमि उत्तराखंड चार धाम यात्रा'', राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित किया जायेगा। इसके अलावा गंगोत्री धाम कपाट खुलने का सीधा प्रसारण कल प्रातः 10 से 11 बजे तक और यमुनोत्री धाम कपाट खुलने का सीधा प्रसारण कल प्रातः 11 बजकर 30 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक किया जाएगा। वहीं, केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का सजीव प्रसारण 2 मई को प्रातः 6 से 7 बजे तक और बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने का सजीव प्रसारण 4 मई को प्रातः 6 बजकर 30 से 7 बजकर 30 मिनट तक राष्ट्रीय नेटवर्क पर उपलब्ध होगा। राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रसारण आकाशवाणी के इंद्रप्रस्थ, गोल्ड और आराधना सहित न्यूज़ ऑन ए.आई.आर एप्प पर भी उपलब्ध रहेगा। इसके अतिरिक्त 30 अप्रैल से 4 मई तक प्रतिदिन शाम 7 बजकर 30 मिनट से 7 बजकर 45 मिनट तक यात्रा से संबंधित रिपोर्ट भी प्रसारित की जायेगी।

विशेष साप्ताहिक ट्रेन

नैनीताल जिले के लालकुआँ और छत्तीसगढ़ के दुर्ग के बीच एक मई से विशेष साप्ताहिक रेलगाड़ी का संचालन शुरू किया जाएगा। यह ट्रेन कुल नौ फेरों के लिए चलाई जाएगी। जून माह तक इसका संचालन जारी रहेगा।

ट्रेन दुर्ग से हर गुरुवार को पूर्वाह्न 10 बजकर 45 मिनट पर रवाना होगी और अगले दिन शाम 5 बजकर 20 मिनट पर लालकुआँ रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद शुक्रवार रात 8 बजकर 20 मिनट पर यह रेलगाड़ी लालकुआँ से चलकर अगले दिन शाम चार बजे दुर्ग पहुंचेगी।

रेलगाड़ी में जनरल, सामान्य शयनयान और वातानुकूलित शयनयान सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर अल्मोड़ा के योग विज्ञान विभाग की ओर से योग विज्ञान एवं अध्यात्म विषय पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी योग विज्ञान को भारत की सनातन परम्परा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संस्कृति को एक मंच पर लाने का प्रयास है। संगोष्ठी में चीन, जर्मनी, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और भारत के विभिन्न प्रांतों के योग विशेषज्ञ, वर्चुअल गंगा के वैज्ञानिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक महत्व पर चर्चा की। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय देहरादून के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार जोशी ने कहा कि अगर हमें पूरे विश्व में सभी के लिए स्वास्थ्य की कल्पना को साकार करना है, तो योग और वैदिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा के निदेशक प्रवीण सिंह बिष्ट ने कहा कि योग विज्ञान और अध्यात्म विषय पर आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में योग और अध्यात्म पर चर्चा की गई।